भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

Press Release

भारत आरई समिट में हरित ऊर्जा सहयोग को लेकर आईआईटी भुवनेश्वर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, 9 नवंबर 2026: स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण, विद्युत ग्रिड के आधुनिकीकरण तथा विद्युत प्रणाली में उभरती नई प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओडिशा एवं मध्य प्रदेश सरकारों के बीच शैक्षणिक, तकनीकी, अनुसंधान एवं संस्थागत सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा स्थापित करने की दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन (भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट), 2026 के ओडिशा राज्य पूर्ण अधिवेशन के दौरान ग्रिडको, ओडिशा; मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थापित सेंटर फॉर मिशन ऑन एनर्जी ट्रांजिशन (सीएमईटी) तथा मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एमपीयूवीएनएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान का समारोह माननीय केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी; माननीय ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी; माननीय ओडिशा के उपमुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव; भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सचिव श्री संतोष कुमार सारंगी; ओडिशा सरकार के ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री विशाल कुमार देव; मध्य प्रदेश सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव तथा ग्रिडको के प्रबंध निदेशक डॉ. सत्यप्रिय रथ की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रम) प्रो. एस. आर. सामंतराय ने समारोह में भाग लिया तथा समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान के दौरान संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण, विद्युत ग्रिड के आधुनिकीकरण तथा विद्युत प्रणाली की उभरती प्रौद्योगिकियों को समर्थन देने के लिए शैक्षणिक, तकनीकी, अनुसंधान एवं संस्थागत सहयोग की एक व्यापक रूपरेखा स्थापित करके सहभागी संस्थाओं के बीच सहयोग को सुदृढ़ एवं विस्तारित करना है। यह ज्ञान-साझाकरण और बौद्धिक आदान-प्रदान के माध्यम से सहयोग करने के लिए सभी पक्षों की पारस्परिक मंशा को दर्शाता है। साथ ही, यह किसी विशिष्ट सेवा के निष्पादन अथवा उपलब्धता के लिए संविदात्मक प्रतिबद्धता नहीं है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं एवं प्रायोजित कार्यक्रम; नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण, विद्युत पारेषण एवं वितरण योजना के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास; ग्रिड की लचीलापन क्षमता तथा उन्नत ग्रिड विश्लेषण; नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के अवधारणा-सिद्धांत अध्ययन, कार्यान्वयन एवं प्रदर्शन; तथा अनुसंधान निष्कर्षों एवं ज्ञान का व्यापक प्रसार शामिल हैं। यह सहयोग नवीकरणीय ऊर्जा नीति के विकास के साथ-साथ आधुनिक विद्युत ग्रिड में विभिन्न ऊर्जा स्रोतों, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) तथा ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के एकीकरण से संबंधित सिफारिशें तैयार करने में भी योगदान देगा।

